खबर संक्षेप

पेसा एक्ट के तहत एफआईआर, एनसीआर सहित अन्य प्रकरणो का किया गया निराकरण

शहडोल। अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायतों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लागू पेसा एक्ट 1996 के तहत ग्रामसभाओं को विशेष अधिकार प्रदान किए गए हैं। इन्हीं अधिकारों को ज़मीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू कराने में पेसा मोबिलाइजर अहम भूमिका निभा रहे हैं। पेसा मोबिलाइजर न केवल ग्रामसभा को उनके अधिकारों की जानकारी दे रहे हैं, बल्कि गांवों में उत्पन्न विभिन्न विवादों और शिकायतों का भी समाधान कर रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती शिवानी जैन ने बताया कि जनपद पंचायत जयसिंहनगर क्षेत्रांतर्गत पेसा एक्ट के तहत ग्रामसभा के माध्यम से कुल 67 नवीन ग्राम सभा के प्रस्ताव प्राप्त हुए। वर्ष 2024-25 एवं 25-26 में तेंदूपत्ता संग्रहण एवं वितरण कार्य 25 ग्राम सभाओं द्वारा किया गया। थानों में दर्ज 04 शिकायतों का निराकरण तथा एनसीआर के 203 प्रकरणों का निराकरण, 382 अविवादित प्रकरणों का निराकरण किया गया। पेसा एक्ट मादक पदार्थ नियंत्रण समिति द्वारा 30800 रूपए की अर्थ दंड वसूली की गई। पेसा एक्ट जल संसाधन नियत्रण समिति के द्वारा सिंघाड़ा उत्पादन, मत्स्यपालन जल संपत्ति एवं स्वच्छता के लिए 41090 रूपए की वसूली की गई। पेसा एक्ट मेला नियुत्रण समिति द्वारा 55950 रूपए की कर वसूली की गई। इस प्रकार पेसा ग्रामसभा निधि खाते में 127840 रूपए जमा कराए गए। पेसा एक्ट ग्राम सभा चरहेट के तहत गठित मातृ सहयोगिनी समिति के सदस्यों एवं पेसा मोबिलाइजर के प्रयासों से 2 आंशिक दिव्यांग एवं 2 कुपोषित बच्चों के अभिभावकों को समय पर मार्गदर्शन देकर एनआरसी में भर्ती कराया गया अब यह बच्चे पूर्णतः स्वस्थ्य हैं।

सीईओ ने निर्माणाधीन आवासो का किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन ने ग्राम पंचायत चंदेला एवं गोपालपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जा रहे निर्माणाधीन आवासो का निरीक्षण कर तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा पीएम आवास के हितग्राहियों से चर्चा कर प्रदाय की गई किश्तो के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों को एक बगिया माँ के नाम पौधों का रोपण करने हेतु समझाइश भी दी।

ईद मिलादुन्नबी पर महा रक्तदान शिविर, दूसरे दिन 55 यूनिट रक्त संग्रह

शहडोल। संयुक्त मुस्लिम समाज की ओर से ईद मिलादुन्नबी के शुभ अवसर पर आयोजित महा रक्तदान शिविर ने लोगों में मानवता और सामाजिक सेवा की मिसाल कायम की है। शिविर का दूसरा दिन इकरा पब्लिक स्कूल, भारती पैलेस के पास आयोजित किया गया, जहां महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर 55 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। संयुक्त मुस्लिम समाज ने इस महा रक्तदान शिविर का लक्ष्य 786 यूनिट रक्तदान निर्धारित किया है। पहले दिन 168 यूनिट रक्त एकत्र हुआ था, वहीं दूसरे दिन 55 यूनिट रक्त का संग्रह कर यह अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यह शिविर एक माह तक जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित होगा, ताकि अधिक से अधिक लोग रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान दे सकें। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि इस पुनीत कार्य में भाग लेकर दूसरों की जान बचाने की इस श्रृंखला को सफल बनाने में सहयोग करें।

देवलोंद पुलिस की बड़ी सफलता, आबकारी विभाग की नाकामी से फिर उठा सवाल

अवैध शराब पर पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक, आबकारी अधिकारी गायब!

ठेकेदारों पर मेहरबान आबकारी, आरोपी पकड़ रही पुलिस

देवलोंद पुलिस ने गणेश विसर्जन ड्यूटी के दौरान दबिश देकर 90 लीटर अवैध शराब, वाहन और मोबाइल जब्त कर तस्कर को गिरफ्तार कर दिया, लेकिन सवाल यह है कि आखिर यह शराब किस ठेकेदार की सप्लाई चेन से आ रही है। पुलिस की कार्रवाई काबिले तारीफ है, मगर आबकारी विभाग की खामोशी और ठेकेदारों पर कार्रवाई न होना उसके कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

शहडोल।

जिले की देवलोंद पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यदि इरादे मजबूत हों और ईमानदारी से कार्रवाई की जाए तो, किसी भी अवैध गतिविधि की जड़ें हिलाई जा सकती हैं। गणेश विसर्जन ड्यूटी के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर थाना प्रभारी सुभाष दुबे के नेतृत्व में पुलिस ने घेराबंदी कर एक बड़ी सफलता हासिल की। ग्राम दादर-झिरिया मोड़, सोन नदी के पास दबिश देकर पुलिस ने धर्मेन्द्र बैस निवासी झिरिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल 90 लीटर (500 शीशियाँ) देशी प्लेन शराब, एक महिंद्रा सुप्रो वाहन क्रमांक एमपी 18 टी 3502 और एक वीवो मोबाइल फोन जब्त किया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 35 हजार रुपये और वाहन की कीमत करीब 1 लाख रुपये आंकी गई है।

राघवेन्द्र ने लोड कराई शराब

पूछताछ में आरोपी धर्मेन्द्र बैस ने खुलासा किया कि यह शराब राघवेन्द्र बैस निवासी बुढ़वा द्वारा गाड़ी में लोड की गई थी। इस आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों सहित वाहन मालिक के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में पुलिस टीम के सउनि इन्द्रलाल पुरी, आरक्षक अभिषेक तिवारी और ओमप्रसाद तिवारी की भूमिका रही। पुलिस की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई की जनता में सराहना हो रही है।

आबकारी विभाग की बड़ी नाकामी

जहां पुलिस की सतर्कता काबिले तारीफ है, वहीं आबकारी विभाग की चुप्पी और नाकामी गंभीर सवाल खड़े करती है। आखिर यह शराब किस ठेकेदार द्वारा पैकारी करवाई जा रही थी? 90 लीटर शराब कोई छोटी मात्रा नहीं होती, जो बिना बड़े नेटवर्क के परिवहन हो सके। इसका सीधा मतलब है कि क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार जमकर फल-फूल रहा है और आबकारी विभाग आंख मूंदे बैठा है। पुलिस की कार्रवाई से हर बार छोटे-छोटे तस्कर पकड़ में आ रहे हैं, लेकिन असली मास्टरमाइंड वह ठेकेदार और सप्लायर अब भी आज़ाद घूम रहे हैं। सवाल यह है कि आबकारी विभाग किसके दबाव में ठेकेदारों के खिलाफ कार्यवाही करने से बच रहा है?

ठेकेदार क्यों हैं बेखौफ?

पकड़ी गई शराब निश्चित रूप से किसी बड़े ठेकेदार की सप्लाई चेन से निकली है। ट्रक, पिकअप और सुप्रो जैसी गाडियों से शराब की हेराफेरी यह बताने के लिए काफी है कि कारोबार संगठित तरीके से चल रहा है, लेकिन ठेकेदारों पर कभी भी कोई सीधी कार्रवाई नहीं होती। न ही उनके लाइसेंस निलंबित किए जाते हैं और न ही उन पर आपराधिक मामले दर्ज होते हैं। यही कारण है कि गांव-गांव में अंग्रेजी और देशी शराब की पैकारी धड़ल्ले से हो रही है। यह कारोबार सिर्फ गरीब और बेरोजगार युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहा है, बल्कि समाज में शराबखोरी को बढ़ावा दे रहा है।

क्या आबकारी सिर्फ दिखावे का विभाग बन गया है?

आखिर आबकारी विभाग की मौजूदगी का फायदा क्या है? जब पुलिस ही हर बार शराब की बड़ी-बड़ी खेप पकड़ रही है तो, आबकारी अमला सिर्फ कागजी खानापूर्ति क्यों कर रहा है? आखिर किस अधिकारी की लापरवाही से ठेकेदारों का यह गोरखधंधा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। क्या आबकारी अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या हमेशा की तरह छोटे मछलियों को पकडक़र बड़ी मछलियों को छोड़ दिया जाएगा? यह सवाल अब शासन-प्रशासन को घेरे हुए है।

जनता की मांग

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि पुलिस की मेहनत तभी सार्थक होगी जब ठेकेदारों और सप्लायर्स को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। केवल ड्राइवर या छोटे लेवल के तस्करों को पकडने से शराब माफिया के हौसले कम नहीं होंगे। लोगों ने मांग की है कि आबकारी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की भी जांच होनी चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब जिले में किसकी शह पर बिक रही है। पुलिस ने अपना फर्ज निभाया है, अब बारी आबकारी और जिला प्रशासन की है। अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई तो साफ है कि सरकार और प्रशासन ठेकेदारों की मिलीभगत से जनता को शराब की लत और अपराध की खाई में धकेल रहे हैं।

मिनी ब्राजील की फुटबॉल खिलाड़ी उमा राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयनित

शहडोल। सहायक संचालक खेल (एनआईएस) फुटबॉल कोच रईस अहमद ने बताया कि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन द्वारा 10 से 14 सितंबर 2025 तक भावनगर (गुजरात) में आयोजित राष्ट्रीय ओपन सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए मिनी ब्राजील के नाम से प्रसिद्ध जिले के विचारपुर की महिला फुटबॉल खिलाड़ी उमा केवट का चयन मध्य प्रदेश की टीम में किया गया है। उमा केवट को खेल दिवस में भोपाल टीटी नगर स्टेडियम में विचारपुर एवं सरदारपुर के बीच खेले गए सद्भावना मैच में विचारपुर टीम से खेल रही उमा केवट को बेस्ट गोलकीपर का अवार्ड एवं 21000 रुपय की राशि प्रदान की गई। राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने पर उमा केवट को खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा दिया गया, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, फुटबॉल कोच अनिल सिंह, फुटबॉल कोच लक्ष्मी सहिस, फुटबॉल कोच सीताराम शंकर दाहिया सहित अन्य फुटबॉल कोच एवं खिलाडिय़ों ने राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत प्रशिक्षण का किया जाएगा आयोजन

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू सुधीर कुमार दिनकर ने बताया कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा प्रारंभ आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय प्रशिक्षण मॉड्यूल का आयोजन जनपद पंचायत गोहपारू के सभागार में 9 सितंबर 2025 को प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक दो दिवसीय प्रशिक्षण किया जाएगा।

जिले में वाहन रजिस्ट्रेशन के डेटाबेस में मोबाइल अपडेशन का अभियान

वाहन रजिस्ट्रेशन के डेटाबेस में वाहन स्वामी सारथी पोर्टल पर जाकर स्वयं कर सकते हैं अपडेट

शहडोल। जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती अनपा खान ने जानकारी दी है कि परिवहन विभाग द्वारा मोबाइल नम्बर अपडेट करने के लिये इन दिनों विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। वाहन स्वामी अथवा डीलर नेशनल इन्फार्मेशन सेंटर (एनआईसी) के वाहन सारथी पोर्टल पर जाकर स्वयं ही आसानी से मोबाइल नम्बर अपडेट कर सकते हैं।वाहन के पंजीयन और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करते वक्त आवेदक को अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करना अनिवार्य होता है। कई बार वाहन स्वामी की जगह डीलर अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करा देते हैं। वाहन स्वामी और डीलर द्वारा सही मोबाइल नम्बर दर्ज कराने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा मोबाइल नम्बर कुछ वर्षों बाद परिवर्तित कर देने के कारण डेटाबेस में संबंधित व्यक्ति का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं रह पाता है। उन्होंने बताया है कि वाहन सारथी पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से मोबाइल नम्बर अपडेट करने की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। आधार में दर्ज आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का वाहन पंजीयन और ड्रायविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम से शत-प्रतिशत मिलान होने पर डेटाबेस में मोबाइल नम्बर तत्काल अपडेट हो जाता है। आधार पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम में भिन्नता पाई जाती है, तो आवेदक को पोर्टल पर अपना कोई दूसरा परिचय पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र और पासपोर्ट अपलोड करना पड़ता है। आरटीओ कार्यालय द्वारा दर्ज दस्तावेज और आधार से आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस में दर्ज नाम का सत्यापन किया जाता है। अप्रूवल के बाद मोबाइल नंबर डेटाबेस में अपडेट हो जाता है।

अपडेड प्रक्रिया को विस्तृत रूप से स्क्रीन शॉट के माध्यम से समझाने के लिए मध्यप्रदेश परिवहन विभाग के पोर्टल के होमपेज पर लिंक उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में वाहन रजिस्ट्रेशन एवं ड्राइविंग लायसेंस संबंधी समस्त सेवाओं के लिये ऑनलाइन आवेदन लिये जा रहे है। डेटाबेस रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर आवेदक को अपना सत्यापन कराना होता है। मोबाइल नंबर डेटाबेस पर उपलब्ध न होने पर कई बार आवेदक इन सेवाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं। संबंधित वाहन के विरूद्ध अन्य प्रणालियों से चालान जारी होने पर डेटाबेस पर सही नंबर न होने के कारण कई बार वाहन स्वामियों को चालान के संबंध में जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती है। चालान का भुगतान लंबित होने पर ऐसे व्यक्तियों को परिवहन विभाग की सेवाओं से वंचित रहना पड़ सकता है। न्यायालयीन कार्यवाही की जाने पर उन्हें कोर्ट से समन भी आ सकते हैं। इन कारणों से मोबाइल नंबर अपडेट होना आवश्यक है।

चरका गांव में खौफनाक वारदात

पत्नी-साले पर तलवार से हमला, फिर पति ने जहर पीकर दी जान

शहडोल।

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के चरका गांव में शुक्रवार की रात एक सनसनीखेज घटना घटी। घरेलू विवाद से नाराज संजू उर्फ मनोज कहार (निवासी कुमारिया) ने अपने ससुराल पहुंचकर पहले पत्नी और साले पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती हैं। वारदात के बाद आरोपी ने मौके पर ही जहर पीकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने तलवार जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

विवाद से उपजा खूनी खेल

जानकारी के मुताबिक, संजू और उसकी पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। आए दिन होने वाली मारपीट से परेशान होकर पत्नी दो बच्चों के साथ मायके चरका आ गई थी। इसी बात से नाराज मनोज 5 सितंबर की रात शराब के नशे में ससुराल पहुंचा। उसने पहले से घर के बाहर धारदार हथियार और जहर की शीशी छुपा रखी थी। परिजनों के अनुसार, रात में खाना खाने के बाद सब सो गए। तभी करीब दो बजे मनोज उठा और बाहर से छिपाई तलवार निकालकर सो रही पत्नी पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। चीख-पुकार सुन साला बीच-बचाव करने पहुंचा तो उस पर भी हमला कर दिया गया। दोनों खून से लथपथ हो गए।

जहर पीकर मौत को लगाया गले

हंगामे के बाद परिवार और आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल पत्नी व साले को अस्पताल ले गए। इधर आरोपी संजू उर्फ मनोज ने अपनी जेब में रखी जहर की शीशी निकालकर पी ली और मौके पर ही ढेर हो गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पारिवारिक विवाद ने एक परिवार को बर्बादी की कगार पर पहुंचा दिया है।

इनका कहना है...

घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मनोज ने पहले अपनी पत्नी और साले को घायल किया था। फिर उसने जहर खाकर अपनी जान दी है। तलवार जब्त की गई है।

अरुण पाण्डेय
थाना प्रभारी, ब्यौहारी

जिले में गणेश विसर्जन के लिए किये गये सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अस्थाई कुण्ड बनाकर छोटी गणेश मूर्तियों के विसर्जन की व्यवस्था

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार जिले भर में गणेश जी की मूर्तियों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित विसर्जन सुनिश्चित करने के लिए विसर्जन कुंडो में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए। जिले भर में जिन स्थानों में नदियों या जलस्त्रोतों के किनारे परपंरागत रुप से मूर्तियों का विसर्जन होता रहा है,उन स्थानों में पुलिस,कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तथा गोताखोरों की व्यवस्था की गई है, यहां पण्डाल लगाकर विसर्जन के लिए आने वाली मूर्तियां की जानकारी भी संधारित की गई। पुलिस अमला लगातार लोगों को घाटों के पास अनावश्यक रूप से नहीं जाने तथा विसर्जन के लिए सीमित संख्या में कमेटी व्दारा अधिकृत व्यक्ति को ही विसर्जन के लिए जाने की समझाइश दी जा रही है।

विसर्जन कुण्डो में भीड़ से बचने तथा लोगों को छोटी गणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए घाटों तक नहीं जाना पड़े के लिए कलेक्टर के निर्देश पर नगरपालिका शहडोल व्दारा जय स्तंभ, गांधी चौक, इंदिरा चौक सहित अन्य चौकों में अस्थाई कृत्रिम विसर्जन कुण्ड बनाये गये हैं, जहां लोग श्रध्दा और विश्वास के साथ गणेश जी की प्रतिमाओं का ससम्मान विसर्जन किया गया।

उपजेल बुढार में आयोजित किया गया विधिक जागरूकता शिविर

शहडोल। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल काशीनाथ सिंह की अध्यक्षता में एवं सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार तथा श्री विजेंद्र सिंह रावत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बुढ़ार साथ ही देवेंद्र सिंह परस्ते जिला विधिक सहायता अधिकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल की उपस्थिति में उपजेल बुढ़ार का निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उपजेल प्रांगण में पौधारोपण कार्यकम आयोजित किया गया। जिसमें आम, आंवला, जामुन इत्यादि के पौध रोपित किये गये। उक्त शिविर में उपजेल बुढ़ार में बंदियों से स्वास्थ्य, साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता से संबंधित जानकारी ली गई। बंदियों से अपने प्रकरण के संबंध में लगाए गए वकीलों से बातचीत व वकील न होने पर विधिक कार्यालय से निःशुल्क सरकारी वकील दिलाये जाने हेतु सलाह दी गई। साथ ही बंदियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं का निराकरण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा किया गया। उक्त शिविर में सहायक जेलर, एवं जेल स्टॉफ उपस्थित रहे।

महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चों का सहयोग करें एवं अपराधों के प्रति रहें सजग

विद्यार्थियों को बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ एवं पोषण आहार संबंधित दी गई जानकारी

शहडोल। प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के अंतर्गत जिले में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के अंतर्गत संभागीय मुख्यालय शहडोल के शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय शहडोल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम में सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती संजीता भगत ने बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बालिकाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत पीसीपीएनडीटी एक्ट जिसे भारत सरकार द्वारा 1994 में पारित किया गया। कन्या भ्रूण हत्या और घटते लिंगानुपात को रोकने के लिए प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण पर प्रतिबंध लगाना है, यह अधिनियम गर्भावस्था से पहले या प्रसव से पहले बच्चों के लिंग का पता लगाने के लिए किसी भी तकनीकी के उपयोग को रोकता है और इसे एक दंडनीय अपराध है।

बालिकाओं के हित में शासन लगातार प्रयास कर रही है आप लोग भी स्वयं व जरूरतमंद महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चों का सहयोग करें एवं होने वाले अपराधों से सजग रहें। साथ ही टोल फ्री नंबर महिला हेल्पलाइन 181 व चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में बताया गया।

परियोजना अधिकारी श्रीमती सतवंत कौर हूरा ने पोषण एवं स्वास्थ्य को परिभाषित करते हुए कहा कि पोषण और स्वास्थ्य घनिष्ठ रूप से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं जहां एक स्वस्थ्य और संतुलित आहार शरीर के विकास, रख रखाव और बीमारियों से बचाओ के लिए आवश्यक है। इसके लिए स्वस्थ भोजन का सेवन करना चाहिए, पानी का पर्याप्त सेवन, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं हरी पत्तीदार सब्जियों का सेवन करना चाहिए।

इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर से श्रीमती भानुप्रिया, श्रीमती रेनू श्रीवास्तव केसवर्कर, महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ यमुना धुर्वे, डॉ सुनीता सिंह मरकाम, डॉ. सरोज बाला श्याम, एस कुजूर, आर एस पासी, एच.एल. पटेल सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

खबर संक्षेप

दुर्घटना के बाद अवैध पशु परिवहन का खुलासा, मामला दर्ज

डिंडौरी। शाहपुर थाना अंतर्गत अझवार गांव में अवैध पषु परिवहन का मामला शनिवार को प्रकाष में आया है। अवैध पषु परिवहन में लिप्त एक वाहन के घर में घुसने के बाद मामले का खुलासा हुआ। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दो वाहनों से 13 पषुओं को बरामद करके अज्ञात के विरूद्व मामला दर्ज किया है और विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अझवार गांव में मवेषी से भरे दो वाहनों को ग्रामीणों ने शनिवार की सुबह देखा इन वाहनों में से एक वाहन क्रमांक एमपी 52 जेडए 9139 डॉक्टर विमल सरकार के घर के बाहर बनी बाउंड्रीवॉल में जा घुसा था। जबकि दूसरा वाहन एमपी 19 जेडएल 5329 नजदीक मैदान में खडा पाया गया। तालाषी के दौरान दोनों वाहनों में कुल 13 नग मवेषी ठूंस-ठूंस कर भरे पाये गये हैं। सूत्रों के मुताबिक यह घटना देर रात की बतलाई गई है। बताया गया है कि इन वाहनों के माध्यम से राम्हेपुर क्षेत्र से पाली की तरफ भैंसों को ले जाया जा रहा था। सूत्रों की माने तो इस इलाके से पषु तस्कर बडी तादाद में मवेषियों के अवैध परिवहन को अंजाम देते हैं, इसके पूर्व भी इस मार्ग पर पषु तस्करी और परिवहन के मामले प्रकाष में आ चुके हैं। अघोषित तौर पर अझवार मार्ग पषु तस्करी का कारीडोर साबित हो रहा है। पुलिस ने पषु क्रूरता अधिनियम और धारा 281 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

प्रस्तावित बांध का सर्वे करने गई टीम को ग्रामीणों के विरोध का करना पड़ा सामना

डिंडौरी। नर्मदा नदी पर प्रस्तावित बसनिया औढारी बांध को लेकर सर्वे टीम शुक्रवार को विकास खंड मेंहदवानी के पंगनिया गांव पहुंची सर्वे कार्य के लिए प्रषासनिक अमला दल बल के साथ पहुंचा था। जिसमें राजस्व अमले के साथ नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अधिकारी और पुलिस बल भी शामिल था। इस दौरान प्रषासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच नोंक-झोंक शुरू हो गई। ग्रामीणों ने कहा कि हम किसी भी शर्त में अपनी जमीन नहीं देना चाहते और ना ही सर्वे करवाना चाहते। ग्रामीणों के मुताबिक पांचवी अनुसूची के क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के लिये ग्राम सभा की सहमति आवष्यक है। आखिरकार ग्रामीणों के विरोध के बाद गांव में पहुंची सर्वे टीम को वापस लौटना पडा। मंडला जिले में भी बसनिया बांध से प्रभावित गांव में सर्वे टीम का गांव में प्रवेष वर्जित किया हुआ है। गौरतलब है, कि बसनिया औढारी बांध से डिंडौरी जिले के 13 गांव और मंडला जिले के 18 गांव का विस्थापन होना है, जिसमें 2735 परिवारों की 2443 हैक्टेयर निजी भूमि 2107 हैक्टेयर वन भूमि और 1793 हैक्टेयर शासकीय भूमि डूब में आयेगी। विभिन्न प्रभावित ग्राम सभाओं ने बसनिया बहुउद्देषीय परियोजना के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है, जानकारी के अनुसार अभी तक इस बहुउद्देषीय परियोजना का पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन रिपोर्ट नहीं आई है, और पर्यावरणीय मंजूरी भी नहीं मिली है। विगत दिनों डिंडौरी कलेक्टर द्वारा धारा 19 का प्रकाषन कराया गया है, जिसमें यह दर्षाया गया है, कि कितने किसानों की कितनी जमीन का अधिग्रहण होना है। इस बावद ग्रामीणों का कहना है, कि जब हम लोगों ने जमीन देने की सहमति नहीं दी है, तो इस तरह की एकतरफा कार्रवाई का क्या औचित्य है। इसी तरह विगत दिनों राघोपुर मरवारी बहुउद्देषीय नर्मदा बांध परियोजना के निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताते हुये, कलेक्टेट कार्यालय में ज्ञापन सौंपा था जिसमें धारा 21 को निरस्त करने की मांग की गई थी। ज्ञापन में लेख किया गया था कि अधिनियम 2013 की धारा 21 (2) (1) के तहत व्यक्तिगत सुनवाई हेतु सूचना पत्र अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जारी किया गया है, जिसको लेकर डूब प्रभावित क्षेत्र के किसान एवं ग्रामीणों के द्वारा आपत्ति दर्ज करते हुये राघोपुर बांध निर्माण निरस्त संबंधी निर्णय मध्यप्रदेष उच्च न्यायालय में अंतिम फैसला उपेक्षित है, इसके उपरांत भी शासन प्रषासन द्वारा बांध निर्माण संबंधित कार्रवाई की जा रही है। जो न्यायसंगत नहीं है। अधिनियम 2013 की धारा 21 (2) (1) प्रषासन द्वारा लागू की गई है।

सीएम राइज स्कूल में भ्रष्टाचार का बोलबाला

प्राचार्य पर रिश्तेदारी का फायदा उठाकर खरीद में गड़बड़ी के आरोप

उमरिया।

शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले विद्यालयों में आज भ्रष्टाचार की दीमक लग चुकी है। जहां से बच्चों को संस्कार और ज्ञान की रोशनी मिलनी चाहिए, वहीं अब गड़बड़झाले और घोटालों की कहानियां सामने आ रही हैं। उमरिया जिले के सीएम राइज मॉडल स्कूल करकेली में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग रहे हैं। यहां पदस्थ प्राचार्य डॉ. ए.पी. सिंह पर स्कूल की खरीदी में रिश्तेदारी का फायदा उठाने और भारी गड़बड़ी करने के आरोपों ने पूरे क्षेत्र में हडक़ंप मचा दिया है। स्थानीय सूत्रों और विद्यालय से जुड़े कर्मचारियों के मुताबिक, प्राचार्य द्वारा विद्यालय की अधिकतर खरीदी शहडोल की एक विशेष फर्म से की जा रही है। आरोप यह भी है कि यह फर्म उनके रिश्तेदार की है। इससे साफ है कि सरकारी नियम-कायदों और पारदर्शिता की प्रक्रिया को दरकिनार कर पक्षपातपूर्ण और निजी लाभ के लिए खरीद की जा रही है।

प्रयोगशाला सामग्री में सबसे बड़ा खेल

विद्यालय की प्रयोगशाला (लैब) के लिए खरीदी गई सामग्री को लेकर सबसे अधिक सवाल उठ रहे हैं। विद्यार्थियों की पढ़ाई और प्रयोगों के लिए लाखों रुपये की सामग्री खरीदी गई, लेकिन वास्तविकता यह है कि सामग्री की गुणवत्ता बेहद घटिया है। कई उपकरण तो पहली बार इस्तेमाल करने से पहले ही खराब पाए गए। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल की प्रयोगशाला में पढ़ाई करने वाले छात्र अक्सर शिकायत करते हैं कि उपकरण काम नहीं करते या आधे-अधूरे हैं। बावजूद इसके बिल पूरे और बड़े-बड़े निकाले गए। यह सबकुछ भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। अगर बच्चों की पढ़ाई और प्रयोग ही प्रभावित होंगे तो फिर सीएम राइज स्कूल बनाने का मकसद क्या है?

छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश

सीएम राइज स्कूल प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना है। लेकिन प्राचार्य स्तर पर ही यदि भ्रष्टाचार होगा, तो यह योजना अपने उद्देश्य से भटक जाएगी। चर्चा है कि परिजन उम्मीद करके अपने बच्चों को इस विद्यालय में भेजते हैं, लेकिन जब यहां भ्रष्टाचार की परतें खुलती हैं, तो उनका भरोसा टूटता है।

प्राचार्य पर गंभीर सवाल

प्राचार्य डॉ. ए.पी. सिंह पर यह भी आरोप है कि विद्यालय से जुड़ी अन्य सामग्रियों—फर्नीचर, स्टेशनरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों—की खरीदी भी उसी फर्म से की गई है। इससे यह संदेह और गहरा हो जाता है कि पूरा खेल केवल रिश्तेदारी के संरक्षण में चल रहा है। विद्यालय के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यदि खरीदी प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच की जाए तो कई और गड़बडिय़ां सामने आ सकती हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि बिल फर्जी तरीके से बढ़ाकर लगाए जाते हैं और भुगतान वास्तविक कीमत से कई गुना ज्यादा किया जाता है।

प्रशासन की चुप्पी सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विद्यालय स्तर पर इतनी गड़बड़ी हो रही है, तो जिले के जिम्मेदार अधिकारी चुप क्यों हैं? शिक्षा विभाग की लापरवाही इस मामले को और गंभीर बनाती है। ऐसा लगता है मानो विभागीय अधिकारी जानबूझकर इस मामले पर आंख मूंदे बैठे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतें कई बार उच्चाधिकारियों तक पहुंचाई गईं, लेकिन जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई। अगर समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो बच्चों का भविष्य बर्बाद होगा और भ्रष्टाचारियों के हौसले और बुलंद हो जाएंगे।

शिक्षा पर पड़ रहा साया

सीएम राइज स्कूल जैसे प्रोजेक्ट्स पर लाखों रुपये खर्च होते हैं। उद्देश्य यह है कि सरकारी स्कूलों में भी निजी स्कूलों जैसी आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। लेकिन अगर प्राचार्य स्तर पर ही धांधली और गड़बड़ी होगी, तो पूरी योजना की साख पर बट्टा लगना तय है। यह भी सवाल खड़ा होता है कि जब सरकार बच्चों की शिक्षा पर इतना बजट खर्च करती है, तो आखिर उसका सही उपयोग क्यों नहीं हो पा रहा? क्या यह पैसे सिर्फ भ्रष्टाचारियों की जेबें भरने के लिए ही हैं? हालाकि मामले में कितनी सत्यतता है, यह तो, जांच के बाद ही सामने आ सकता है। जागरूक लोगों ने पूरे मामले में प्रशासन से जांच की मांग की है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने विभिन्न विद्यालयों का किया निरीक्षण

साफ सफाई व्यवस्था बनाएं रखने के दिए निर्देश

उमरिया । जिला शिक्षा अधिकारी आर .एस. मरावी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरपुर के आधार केंद्र, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरेवा, शासकीय हाई स्कूल इंदवार , टिकुरी एवं पनपथा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने सभी प्राचार्यो को उमंग कॉर्नर बनवाने, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरेवा के माध्यमिक खंड में साफ सफाई ,प्राचार्य को ई अटेंडेंस लगाने , विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने , सभी शिक्षकों को अध्यापन हेतु लेसन प्लान बनाए जाने के निर्देश दिए ।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरपुर के निरीक्षण के दौरान प्राचार्य को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक बच्चों को आधार केंद्र में उपस्थित कराकर आधार कार्ड बनवाएं। विद्यालय में साफ सफाई एवं सभी विद्यार्थियों के द्वारा लगाए गए वृक्षों को निर्देशानुसार पोर्टल में अपलोड कराकर सर्टिफिकेट प्राप्त करने एवं शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार शैक्षणिक कार्य, प्रायोगिक कार्य एवं पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने, मासिक मूल्यांकन का रिकार्ड संधारित किए जाने एवं संकुल अंतर्गत समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों का पंजीयन एस एच व्ही आर पोर्टल में कराकर समस्त जानकारी फीड कराए जाने के निर्देश दिए गये।

शासकीय हाई स्कूल इंदवार में समस्त शिक्षकों एवं प्राचार्य को ई अटेंडेंस लगाने एवं विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या अत्यधिक कम होने एवं प्राचार्य द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी से अपना अवकाश स्वीकृत न कराने एवं हमारे शिक्षक एप में अवकाश को दर्ज न किए जाने के कारण प्राचार्य को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाने के निर्देश दिए गये। निरीक्षण के समय विनीत कुमार के .व्ही .सहायक परियोजना समन्वयक श्री कलेश्वर सिंह आई.टी समन्वयक उपस्थित रहे।

13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत

उमरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को किया गया है। लोक अदालत में विद्युत प्रकरणो में छूट प्रदान की जाएगी ।

प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छ:माही चक्र वृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी।

लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्र वृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। उन्होने बताया कि आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष देय आंकलित सिविल दायित्य की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता , उपयोगकर्ता की विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन , संयोजनों के विरुद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा। आवेदक के नाम पर कोई विधिक संयोजन न होने की स्थिति में छूट का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक द्वारा विधिक संयोजन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित संयोजनों के विरुद्ध बकाया राशि (यदि कोई हो) का पूर्ण भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा। नेशनल लोक अदालत में छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी , अनाधिकृत उपयोग पहली बार किये जाने की स्थिति में ही दी जावेगी। विद्युत चोरी ,अनाधिकृत उपयोग के प्रकरणों में पूर्व की लोक अदालतों में छूट प्राप्त किए उपभोक्ता,उपयोगकर्ता छूट के पात्र नहीं होंगे। सामान्य विद्युत देयकों के विरुद्ध बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जावेगी। लोक अदालत में उपरोक्तानुसार दी जा रही छूट आंकलित सिविल दायित्व राशि दस लाख मात्र तक के प्रकरणों के लिये सीमित रहेगी । छूट मात्र नेशनल लोक अदालत में समझौता करने के लिए ही लागू रहेगी। अपराध शमन फीस अधिनियम के प्रावधान अनुसार वसूल की जावेगी।

गिरफ्तारी वारंटी बिजुरी पुलिस की गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा जिले में अपराधो में नियंत्रण एवं फरार चल रहे वारंटी की तामीली हेतु निर्देशित किया गया। जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री इसरार मन्सूरी एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन में थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह, सउनि प्रदीप अग्निहोत्री, प्र.आर. गुपाल सिंह यादव, आर लक्ष्मण डांगी, आर. रामनिवास गुर्जर के द्वारा दिनांक 07 सितम्बर को माननीय प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय अनूपपुर के प्रकरण क्रमांक 48/2020 धारा 125(3) भरण पोषण अधिनियम में जारी गिरफ्तारी वसुली वारंट की राशि 522000 रूपए के वारंटी सुरेन्द्र कोल पिता शंभू कोल उम्र 36 वर्ष निवासी छुलहा नगधहा थाना कोतवाली हाल कोठी थाना बिजुरी जिला अनूपपुर को गिरफ्तारी कर न्यायालय पेश किया गया।

एसईसीएल ने कुहका में किया निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। एसईसीएल, जमुना-कोतमा क्षेत्र द्वारा ग्राम कुहका पंचायत में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया। शिविर में कुल 131 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें ब्लड प्रेशर, पल्स, ब्लड शुगर, थर्मल स्कैनिंग एवं क्लिनिकल एग्जामिनेशन शामिल थे। परिक्षण के साथ ही मरीजों को आवश्यक परामर्श एवं निःशुल्क दवाएँ प्रदान की गईं। इस दौरान 7 मरीज उच्च रक्तचाप (भ्लचमतजमदेपवद) तथा 6 मरीज मधुमेह से ग्रसित पाए गए। एसईसीएल का यह प्रयास स्थानीय ग्रामीणों के स्वास्थ्य संवर्धन एवं जागरूकता की दिशा में एक सराहनीय पहल है। पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर आज जिला स्तरीय कार्यक्रम

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कॉलरी में होगा आयोजन

उमरिया। शिक्षा सभी के लिए थीम अंतर्गत वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों के अनुसार एवं भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश को शत प्रतिशत साक्षर करने हेतु उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम जन-जन साक्षर की भावना से वर्ष 2022 से 2027 तक के लिए संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्ति को शिक्षित करती है बल्कि उसके अधिकारों एवं कर्तव्यों की ओर भी जाग्रत करती है। शिक्षा की उसी महत्ता को प्रदर्शित करते हुए प्रतिवर्ष अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस 08 सितम्बर को मनाया जाता है। जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कॉलरी उमरिया में आयोजित होगा। जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं, शिक्षकों, डी एल एड के प्रशिक्षार्थियों, समुदाय के सदस्यों,आंगनवाडी, पंचायती राज संस्थाए, एसएचजी कार्यकर्ता, सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी ,नगर पालिका के कर्मचारियों आदि का सहयोग लिया जाकर गतिविधियों का आयोजन किए जाने के कलेक्टर ने निर्देश दिए है।

स्टैण्डिंग कमेटी की बैठक आज

उमरिया। नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष-2025 के संबंध कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसके संबंध में 8 सितंबर 2025 को समय दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में स्टैण्डिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितो से उपस्थिति की अपेक्षा की है।

ग्राम पंचायत बुढानपुर किया गया शिक्षक सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढाहनपुर में शिक्षकों के सम्मान व शिक्षा के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से पंचायत द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ की गई। शिक्षक सम्मान समारोह मे पंचायत अंतर्गत सभी शासकीय ,वर्तमान तथा पूर्व शिक्षकों को आमंत्रित कर स्वागत किया गया, जिसमें कई प्रतिभावान बच्चों ने भी स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच मिठाई लाल ने की, मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल प्राचार्य आर. के मिश्रा की उपस्थिति मे, तथा जनपद शिक्षा केंद्र समन्वयक अजय शाह एवं प्रधानाध्यापक आर. बी. मिश्रा की उपस्थिति मे किया गया। उपसरपंच के.के. सोनी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया एवं शिक्षा के प्रति लोगों में जन जागरूकता का संबोधन किया गया। अतिथियों द्वारा बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया गया है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के संगीतकार व गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे। शिक्षकों में रामानुज पांडे, राम सुशील द्विवेदी, मो. आनस, राकेश नामदेव बृजेश सोनी, संतोष चौबे, ओंकार साहू कामता चंद्रवशी, श्रीमती सावित्री सराफ, श्रीमती कमला सोनी, श्रीमती भगवनिया, श्रीमती विनीता द्विवेदी, श्रीमती सुनीता पांडे, तथा अशासकीय विद्यालयों के शिक्षक, अतिथि शिक्षक उपस्थित थे। कार्यकम के माध्यम से शिक्षकों को शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

कन्या हाई स्कूल में सेवानिवृत शिक्षक का हुआ सम्मान

सिलौंडी। सिलौंडी के कन्या हाई स्कूल में प्राचार्य विशाल वरकडे ने सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान किया। इस अवसर ढीमर खेड़ा बीआईओ लखन बागरी और प्राचार्य विशाल वरकडे ने आदिवासी ग्राम कारोपानी में आजादी के बाद पहली लड़की जिसने 10 वी में प्रवेश लिया संगीता बैगा पिता कमलेश बैगा का सम्मान किया । बीआईओ बागरी ने संगीता बैगा को 10 वी पास होने पर 5000 रुपया का पुरस्कार साथ ही 12 वी पास होने पर 10000 रुपया देने की घोषणा की है । इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक बीरबल राय ,जयनारायण राय , वीरेंद्र कुमार हल्दकार,शेष नारायण मिश्रा,मोहन सिंह , गौरी शंकर राय, सुशील जैन,भीष्म लाल तिवारी ,श्याम नारायण राय,राजकिशोर राय ,अरविंद राय सहित का सम्मान हुआ । कार्यक्रम में रजनीकांत राय ,मंडल सोशल मीडिया धीरज जैन, अंकित बागरी ,अशोक हल्दकार शरद गुप्ता ,रश्मि बागरी ,स्वेता जैन ,सविता साहू सहित शिक्षक गण और छात्रा की मौजूदगी रही ।

इको फ्रेंडली तरीके से किया गया गणेश प्रतिमा का विसर्जन

स्लीमनाबाद। वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय बहोरीबंद में ग्रीन गणेश सिद्ध गणेश अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहाँ माटी के गणेश जी की प्रतिमा को हवन एवं पूजा संपन्न कर प्रसाद वितरित किया गया तथा उसके पश्चात प्रतिमा का विसर्जन इको फ्रेंडली तरीके से बाल्टी में किया। इको फ्रेंडली विसर्जन के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं जल के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान प्राचार्य इंद्र कुमार पटेल सहित समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

ईद मिलादुन्नबी का निकला जुलूस, भाईचारे का दिया पैग़ाम

बरही। नगर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ईद मिलादुन्नबी का जुलूस बड़े ही हर्षोल्लास और शांति के साथ निकाला गया। इस मौके पर नगर के गली-मोहल्लों से लेकर मुख्य मार्गों तक माहौल जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी की रौनक से सराबोर रहा जगह-जगह से अमन, मोहब्बत और भाईचारे का संदेश दिया गया, वहीं उपस्थित लोगों ने जुलूस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया कई इलाकों से होकर गुज़रा जुलूस जामा मस्जिद बरही से प्रारंभ होकर नगर की प्रमुख सड़कों मस्जिद चौक, स्टेशन रोड, मेंन मार्केट, बस स्टैंड, बढ़ई मोहल्ला, सराफा मार्केट होते हुए मजार शरीफ के पास संपन्न हुआ। पूरे मार्ग पर स्वागत द्वार बनाए गए, जिनसे होकर जुलूस गुज़रा। इस दौरान नगरवासियों ने फूल बरसाकर जुलूस का स्वागत किया। जुलूस के दौरान मुस्लिम भाईयों ने सरकार की आमद पर खुशी का इज़हार किया।

संदीपनी विद्यालय की छात्राओं का संभाग स्तर में हुआ चयन

बरही। तहसील अंतर्गत संदीपनि विद्यालय करेला की छात्राएं खो खो गेम प्रतियोगिता जबलपुर संभाग में आयोजित की गई जिसमें जिले के कई विद्यालय की छात्र छात्राएं के साथ में भाग लिया और जीत हासिल की छात्राएं नेहा सिंह अनुराधा सिंह शशि सिंह व छात्र अभिषेक सिंह का हुआ चयन अपने विद्यालय का नाम रोशन किया पीटीआई शिक्षक ब्रजराज सिंह का सराहनीय योगदान रहा प्राचार्य आर .के. शुक्ला व समस्त शिक्षक शिक्षिका ने छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना की है।

गजानन अपना आशीष भक्तों के दिलों में छोड़ कर विदाई लिए

दस दिनी गणपति महापर्व का विसर्जन के साथ हुआ समापन

बड़ी मूर्तियां का विसर्जन जेसीबी मशीन के माध्यम से किया गया

नगर के 28 वार्डों में इस वर्ष भी गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बन रहा था। घर-घर और सार्वजनिक पंडालों में स्थापित गणपति बप्पा की प्रतिमाओं का अनंत चतुर्दशी पर भक्तिभाव से विसर्जन किया गया।

धनपुरी।

दस दिनों तक पूजन-अर्चन, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों के बाद पूरा शहर "गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ" के जयकारों से सराबोर हो उठा।शोभायात्रा बनी आकर्षण6 सितंबर की शाम 4 बजे से आजाद चौक पर माहौल पूरी तरह उत्सवी हो गया। सजी-धजी गाड़ियों, रिक्शा-टैक्सियों पर विराजे गणपति बप्पा का काफिला निकला। महिलाएं, बच्चे और युवा बैंड-बाजों की थाप पर नाचते-गाते आगे बढ़े। शोभायात्रा आजाद चौक से राजू मार्केट होते हुए मां ज्वालामुखी मंदिर स्थित विसर्जन कुंड तक पहुंची। गुलाल, आतिशबाजी और जयकारों से हर कोई गणेशमय हो गया।गीतों ने बांधा समाविसर्जन स्थलों पर भक्तों ने अंतिम पूजन-पाठ कर गणपति को विदा किया। "अगले बरस तू जल्दी आ" की गूंज के साथ कई पारंपरिक गीत माहौल को भावुक कर रहे थे। कहीं "कोई गणपति अपने गांव चले, कैसे हमको चैन पड़े" तो कहीं "डूब गयो पानी में देखो पार्वती को छोरा" जैसी धुनें बज रही थीं। भक्तों के चेहरे पर विदाई की उदासी और आस्था का उत्साह दोनों झलक रहा था।तीन दिन चला विसर्जननगर पालिका ने बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जेसीबी की व्यवस्था की थी। छोटी प्रतिमाएं भक्तों ने स्वयं कंधे पर उठाकर विसर्जित कीं। 5 सितंबर से ही कई पंडालों ने मूर्तियों का विसर्जन शुरू कर दिया था। शिव शक्ति गणेश समिति नागदा मोहल्ला का विसर्जन 7 सितंबर को हुआ। इस तरह धनपुरी में तीन दिनों तक गणेश विसर्जन का क्रम चलता रहा।कुंड में 500 मूर्तियों का विसर्जनमां ज्वालामुखी मंदिर स्थित विसर्जन कुंड में इस बार लगभग 500 छोटी-बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। इसमें धनपुरी नगर ही नहीं बल्कि पूरे कोयलांचल और बुढ़ार क्षेत्र से भी गणपति प्रतिमाएं विसर्जन के लिए लाई गईं। देर रात तक भक्तों का आना-जाना जारी रहा और रात 12 बजे तक विसर्जन का कार्य चलता रहा।नगर पालिका ने की व्यवस्थाविसर्जन स्थल पर बिजली की रोशनी, साफ-सफाई और स्पाइडर कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इस कारण सभी प्रतिमाओं का विसर्जन बिना किसी बाधा के शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।सुरक्षा रही पुख्ताधनपुरी थाना प्रभारी ने दलबल के साथ आजाद चौक व विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा की बागडोर संभाली। जगह-जगह बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया। प्रशासन की सतर्कता और समितियों के सहयोग से आयोजन शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।कवरेजधनपुरी कोयलांचल में जगह-जगह भव्य झांकियां और आकर्षक प्रतिमाएं सजी थीं। इनका कवरेज राजू अग्रवाल, लक्ष्मण सोनी और मोहम्मद सफीक ने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों से किया। दस दिन तक घर-घर का सदस्य बने गणपति बप्पा अब एक वर्ष के लिए विदा हो गए हैं। भक्तों के दिलों में केवल एक ही पुकार है –"गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ।"

सप्तशक्ति संगम समिति की जिला बैठक सम्पन्न

बिरसिंहपुर पाली

विद्याभारती सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसिंहपुर पाली में दिनांक 7 सितंबर 2025 को सप्तशक्ति समिति की जिला बैठक आयोजित की गई जिसमें जिला संयोजिका श्रीमती कौशिल्या चक्रवर्ती , माननीय प्रभात सिंह जी (प्रांत संयोजक) , श्रीमती उत्तरा सिंह (विभाग प्रमुख) ,श्री जानकी प्रसाद गौतम (जिला केंद्र प्राचार्य) एवं जिला के समस्त विद्यालयों से आई हुई सप्तशक्ति समिति की मातृ-शक्तियों के साथ विभाग स्तरीय शिशु वाटिका पंचपदी शिक्षण कार्यशाला की दीदियों की गरिमामयी उपस्थिति रही बैठक जिला संयोजिका श्रीमती कौशिल्या चक्रवर्ती दीदी का एवं माननीय श्री प्रभात सिंह जी का सप्तशक्ति समिति के करणीय कार्य विषय पर पाथेय प्राप्त हुआ बैठक समाप्ति पर जिला केंद्र प्राचार्य श्री जानकी प्रसाद गौतम ने सभी का धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया ।

धोखाधड़ी कर फर्जी सिम एक्टीवेट कर बेचने वाले आरोपित एजेंट को किया गया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूजः कटनी

बहोरीबंद पुलिस ने धोखाधड़ी कर फर्जी सिम बेचने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सिम विक्रेता के पास से ग्रामीण के पहचान पत्र भी बरामद हुए हैं। जानकारी के अनुसार 4 सितंबर को बहोरीबंद थाना अंतर्गत ग्राम झरौली निवासी 40 वर्षीय मूरत सिह पिता चन्द्रभान सिह राजपूत अपने साथी आनंद कुमार चौधरी पिता छोटे लाल चौधरी 36 वर्ष निवासी ग्राम पाकर थाना बाकल के साथ थाने आकर बताया की सिम विक्रयकर्ता एजेन्ट जितेन्द्र बर्मन निवासी पाकर के व्दारा मेरे आधारकार्ड, फोटो एंव अगूठे का प्रिन्ट लेकर बेईमानी व कपटपूर्वक दुरुपयोग कर व धोखाधडी कर फर्जी सिम एक्टीवेट कर बेंची गयी है। रिपोर्ट पर आरोपी जितेन्द्र बर्मन के विरुद्ध पृथम दृष्टया अपराध धारा 318(4) बीएनएस 2023 एवं धारा 66C आई टी एक्ट 2008 का अपराध घटित करना पाए जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बहोरीबंद निरीक्षक अखलेश दाहिया के द्वारा टीम गठित कर आरोपी को पकड़ने के लिए मुखबिरों को सक्रिय किया गया। मुखबिर ने सूचना दी की आरोपी जितेन्द्र बर्मन सुबह सुबह घर पहुचा है और भागने की फिराक में है।

गुरुजनों के सम्मान में दी गई रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरही

तहसील अंतर्गत करौंदी खुर्द में संचालित सुधा स्मृति हाई स्कूल में डां सर्व पल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तुत किया और अपने गुरुजनों शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान किया हस्य नाटक के माध्यम से अपने शिक्षकों की विशेषताओं की सटीक नकल कर सभी को खूब हंसाया इस टीचर्स डे मिमिक्री नामक प्रस्तुति ने सभागार में गुदगुदाहट का माहौल बना रहा साथ ही छात्रों द्वारा गुरुजनों को सम्मानित करने की परंपरा ने शिक्षक व छात्र के पवित्र रिश्ते की मिसाल पेश की। यह कार्यक्रम निसंदेह सम्मान स्नेह और उल्लास की यादें छोड़ गया जो सभी के ह्रदय में लंबे समय तक ताजा रहेगी शिक्षक दिवस का पर्व अत्यंत उत्सव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विद्यालय के मार्गदर्शक मुख्य अतिथि ललित दुबे प्राचार्य राकेश उरमलिया की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इनकी रही उपस्थिति

विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका मनोज द्विवेदी प्रदीप बंशकार अभिषेक गुप्ता केके द्विवेदी डीडी केवट अशोक निगम जीपी द्विवेदी शिवम मिश्रा बघेल मैडम प्रियंका जानकी सिंह भावना मैडम रश्मि मैडम प्रिया मिश्रा नेहा अनामिका मैडम शिवानी मिश्रा दीपाली मिश्रा व कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक शुभम मिश्रा ने किया।

छात्र संगठन के पदाधिकारी की उपेक्षा, एनएसयूआई पदाधिकारियों ने लगाए गंभीर आरोप

नये नवेले जिलाध्यक्ष कुर्सी पाते ही गुटबाजी में हुये मशगूल

आंतरिक कलह से बाहर नहीं निकल पा रही कांग्रेस, कैसे नैया होगी पार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नवागत कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान ने अपने ही पार्टी के छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रदेश सचिव को पहचानने में से मना कर दिया और उसके ऊपर कई तरह के गंभीर आरोप भी लगा दिए। ज्ञात हो कि अनूपपुर कांग्रेस पहले से ही अपनी गुट बाजी से जूझ रही है और इसी गुटबाजी को कम करने के लिए छात्र संगठन समेत युवक कांग्रेस के कई पदाधिकारी लगातार मेहनत भी कर रहे हैं लेकिन सीनियर कांग्रेस में नए जिला अध्यक्ष ने जैसे ही कमान संभाली है उसके बाद से उनका रुतबा और कार्यकर्ताओं के प्रति व्यवहार कुछ अलग ही नजर आ रहा है। अनूपपुर कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान का एक बयान सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है मामला यह है कि एनएसयूआई के प्रदेश सचिव सचिन पटेल के बारे में कुछ समाचार पत्रों के द्वारा जानकारी मांगी गई तो वर्तमान कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने सिरे से नकारते हुए कहा कि सचिन पटेल कौन हैं मैं नहीं जानता इस प्रकार का कोई व्यक्ति प्रदेश संगठन में नहीं है। ऐसे में भला एक जिला अध्यक्ष जो पार्टी का मुखिया होता है और उसकी जिम्मेदारी होती है कि वह छात्र नेताओं से लेकर सीनियर नेताओं तक को अपने साथ लेकर चले और उनके बीच जो भी मतभेद है उन्हें दूर करें लेकिन यहां पर तो कुछ और ही बात सामने आ रही है।

पहले भी लग चुके हैं गंभीर आरोप

वर्तमान कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान पर पूर्व में भी कई तरह के आरोप लग चुके हैं उनके ऊपर आंतरिक तौर पर भाजपा को सपोर्ट करने और पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पार्टी से निष्कासन की कार्यवाही भी हो चुकी हैं ऐसे में निष्कासित व्यक्ति को जिले की कमान मिलना ही कांग्रेस के लिए घातक साबित हो रहा है। वहीं उनके द्वारा कई बार अपने ही कार्यकर्ताओं को उपेक्षित करना और मीडिया के सामने उन्हें ना पहचानने और उनके ऊपर गंभीर आरोप लगाने का कारनामा कर चुके हैं।

क्या है पूरा मामला

बीते दिनों एक अखबार के पत्रकार के द्वारा जब कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान से सचिन पटेल के बारे में जानकारी चाही गई तो जिला अध्यक्ष ने कह दिया कि सचिन पटेल नाम का कोई व्यक्ति फिलहाल एनएसयूआई के प्रदेश सूची में कोई पदाधिकारी नहीं है मैं इसे नही पहचानता। प्रदेश कार्यकारिणी की सूची आपको रफी अहमद उपलब्ध करा देंगे। अब भला इस तरह का वाक्य अपने ही छात्र संगठन के नेताओं के खिलाफ यदि जिला अध्यक्ष करेंगे तो फिर कांग्रेस और उसका सपना कैसे पूरा होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। छात्र संगठन के कुछ नेताओं ने बताया कि वर्तमान कांग्रेस जिला अध्यक्ष सिर्फ नाम के लिए है उनका प्रभाव शून्य है माना जाता है कि वह सिर्फ और सिर्फ फोटो और सोशल मीडिया पर अपने आप को दिखाने के लिए सामने आते रहते हैं लेकिन वास्तविक रूप से पार्टी में उनका अस्तित्व शून्य ही नजर आ रहा है। सम कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी का सपना कैसे पूरा होगा और कैसे कांग्रेस एक बार फिर से सत्ता में आएगी यह तो जिला अध्यक्ष की बता पाएंगे। लगातार कांग्रेस पर पहले ही सवाल उठते रहे हैं अब वर्तमान में कांग्रेस को सुधारने और उसकी नैया पार करने के लिए नए अध्यक्षों को जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन अनूपपुर के जिला अध्यक्ष के क्रियाकलाप को देखकर तो लगता है कि कांग्रेस की नैया पार होने के बजाय और भी डूब जाएगी कारण है जिला अध्यक्ष है वह नैया पार करने की बजाय खुद को और भी बेकार करते जा रहे हैं।

पार्टी पदाधिकारियों की बात

इस मामले मे वरिष्ठ कांग्रेस नेता आशीष त्रिपाठी ने कहा कि जिला अध्यक्ष ने क्या कहा है मुझे जानकारी नहीं है पर सचिन पटेल एनएसयूआई का प्रदेश सचिव है। अनूपपुर युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष राघवेंद्र पटेल ने कहा कि जिला अध्यक्ष ने क्या कहा है मुझे इस बात की जानकारी नहीं है सचिन पटेल एनएसयूआई के प्रदेश सचिव है कि नहीं मैं नहीं जानता। युवा कांग्रेस नेता विवेक यादव ने कहा कि सचिन पटेल एनएसयूआई का प्रदेश सचिव है और मेरे छोटे भाई की तरह युवा कांग्रेस का धरना प्रदर्शन ज्ञापन सपना जिले में फैली व्यवस्था को लेकर लगातार अकेले ही लड़ाई लड़ता रहता है और छात्रों की समस्या को लेकर उनकी आवाज को बुलंद करता रहता है उसके खिलाफ इस तरह की टिप्पणी करना निश्चित तौर पर जिला अध्यक्ष की सोच पर सवाल खड़ा करता है। प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस एवं पूर्व जिला अध्यक्ष एनएसयूआई संजय सोनी ने कहा कि सचिन पटेल एनएसयूआई का प्रदेश सचिव है किस दुर्भावना से जिला अध्यक्ष ने ऐसा कहा है यह बात वही जानें।

मेहगांव पंचायत सरपंच ने कहा निर्माण के दौरान नहीं हुए उचित इंतजाम

अंडरपास पुल बना लोगों की मुसीबत, पानी भरने से आवागमन हुआ कठिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ विजयराघवगढ़

मेहगांव से देवरा पहुंच मार्ग पर अंडरपास पुल निर्माण के दौरान मनमानी बरती गई जिसका खामियाजा बरसात के दिनों में ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। मेहगांव पंचायत के सरपंच सुरेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि अंडरपास पुल निर्माण के दौरान एसीसी अडानी सीमेंट प्रबंधन कंपनी द्वारा मापदंडों का ध्यान नहीं रखा गया और संकरी पुलिया का निर्माण करा और पानी निकासी के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं कराया।

हादसे में हो रहे चोटिल

सरपंच श्री बघेल ने बताया कि बरसात के कारण अंडरपास पुल में पानी भरने के कारण लोगों का वहां से आवागमन करना मुश्किल हो गया है। जान जोखिम में डाल कर

अंडरपास पुल से गुजरते समय कुछ लोग चोटिल भी हो चुके हैं। वहीं देवरा आदि क्षेत्रों में पढ़ने वाले छात्र छात्रा स्कूल नहीं जा पाते। सरपंच ने बताया कि यहां से आधा सैकड़ा से अधिक गांवों के लोग आवागमन करते हैं लेकिन अंडरपास पुल पर पानी भरने से अब उन्हें 6 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करके नीलकंठेश्वर मार्ग से आना पड़ता है। इससे पूर्व इस मामले को लेकर सरपंच द्वारा शिकायत भी की गई थी जिसमें कार्यालय महाप्रबंधक मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा जांच भी कराई गई थी और अनियमितताएं सामने आने के बाद सुधार करने की हिदायत भी कम्पनी प्रबंधन को दी गई थी लेकिन आज भी आलम ढाक के तीन पात हैं। सरपंच ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा आवाज उठाए जाने के बाद कंपनी प्रबंधन द्वारा पुल में भरे पानी को निकालने के लिए पम्प लगवाना पड़ा।

पानी भरने से समस्या

ग्राम पंचायत मेहगाँव एवं आसपास के क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से एसीसी अडानी सीमेंट अमेहटा प्रोजेक्ट के साइडिंग पुल में पानी भरने की समस्या बनी हुई है। सरपंच बघेल का कहना था कि पानी निकासी के लिए जो नाले हैं वो सभी जाम हो गए हैं। एसीसी अडानी सीमेंट बिजनेस प्रबंधन के ध्यानाकर्षण के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए जिसकी वजह से पानी अंडर पास पुल में भर जाता है। पुल की स्वतंत्र तकनीकी जाँच कराने, पानी निकासी के समुचित इंतजाम करने आदि की मांगे सरपंच और ग्रामीणों द्वारा रखी गई हैं।

कंपनी के कारण लोगों को प्रदूषण और बीमारियां परोसी जा रही है। सरपंच ने बताया कि सीएसआर मद से आज तक ग्राम पंचायत में एक भी विकास कार्य नहीं कराए गए। इसकी जानकारी भी ग्राम पंचायत के माध्यम से मांगी गई थी लेकिन कंपनी प्रबंधन द्वारा जानकारी नहीं प्रदान की गई।

क्षेत्र के सड़कें पूरी तरह बदहाल हैं और हादसों को निमंत्रण देने का काम कर रही हैं। मैटेरियल लेकर प्लांट तक जाने वाले भारी वाहनों के कारण सड़कों का दम उखड़ चुका है। हालात यह हैं कि सड़कों से पैदल चलना भी दूभर हो गया है। कई बार शिकायतों के बाद भी एसीसी अडानी सीमेंट बिजनेस प्रबंधन द्वारा कोई सार्थक कदम नहीं उठाए गए। वहीं प्रशासन द्वारा भी कंपनी प्रबंधन की मनमानी और लापरवाही के विरुद्ध कार्यवाही करने में परहेज किया जा रहा है।

ईद मिलादुन्नवी पर निकला जुलूस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

विकासखण्ड मुख्यालय सहित सुनारी, भनपुरा, देवरीहटाई, सिंघनपुरी, भुड़सा, भजिया, बिजोरी समूचे मुस्लिम इलाकों में ईद मिलादुन्नबी बड़ी शान और सौहार्द के साथ मनाया गया। शुक्रवार की देर शाम बड़वारा मुस्लिम समाज द्वारा जुलूस में चल रहे लोगों के लिए प्रसाद के रूप में खाने पीने के सामग्री बांटी गई। इमाम चौक से ईद मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस ए मोहम्मदी बडी ही शान-ए-शौकत से निकाला गया। जूलूस ईमाम चौक से मुख्य बाजार से मिशन चौक बड़वारा से बस स्टैंड होते हुए भ्रमण करते हुए परमानंद थाना तिराहा से होते हुए उमंग नगर पहुंचा फिर वहां से जूलूस को वापस करते हुए ईमाम चौक में समाप्त किया गया । जुलूस में सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम भाइयों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी और अपने नबी की शान मे शांति भाईचारे का पैगाम देते हुए नारे लगाते रहे। जूलूस में हाफ़िज़ जमील शान मोहम्मद, आबिद खान, साबिर खान, मोहम्मद सलामत, मोहम्मद असलम, मोहम्मद रमजान, मोहम्मद रहमान आदि शामिल रहे।

खबर संक्षेप

विधायकों की तनख्वाह बढ़ाने की तैयारी, लेकिन जनता के असली सेवक अब भी उपेक्षित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश में विधायकों के वेतन

और भत्तों में भारी बढ़ोतरी की तैयारी ने एक बार फिर सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विधानसभा सदस्य समिति ने राज्य सरकार को सिफारिश भेजी है कि विधायकों का वेतन और भत्ता 45 प्रतिशत तक बढ़ाया जाए। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो एक विधायक की मासिक सैलरी लगभग 1.60 लाख तक पहुंच जाएगी। साथ ही पूर्व विधायकों की पेंशन बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया है। भारतीय गणवार्ता (भगवा पार्टी) के अनूपपुर जिला अध्यक्ष कन्हैया लाल मिश्रा ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि "जनप्रतिनिधियों को उनके कार्य और दायित्व के अनुरूप उचित वेतन मिलना चाहिए, इसमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जब विधायकों की आय बढ़ाने वाले विधेयक बिना किसी बहस और देरी के तुरंत पास हो जाते हैं, तो वही सुविधा संविदा कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मेहनतकश मजदूरों को क्यों नहीं दी जाती। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जमीनी हकीकत यह है कि संविदा कर्मचारी वर्षों से नियमितीकरण और वेतन वृद्धि की मांग कर रहे हैं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं न्यूनतम मानदेय पर कठिन परिश्रम कर रही हैं और मजदूर वर्ग आज भी दिहाड़ी मजदूरी पर जीवन यापन को मजबूर है। शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और श्रम क्षेत्र से जुड़े यही लोग सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारते हैं, लेकिन उनकी मेहनत का मूल्य तय करने में हमेशा लापरवाही बरती जाती है। मिश्रा ने कहा कि विधायकों को पहले से ही भत्ते, गाड़ी, मकान और तमाम सुविधाएं प्राप्त हैं। ऐसे में उनके वेतन को प्राथमिकता देना और जनता के असली सेवकों को अनदेखा करना लोकतंत्र में असंतुलन को दर्शाता है। उन्होंने सवाल उठाया जब अपने वेतन वृद्धि पर सहमति जताने में विधायकों को मिनटों का समय नहीं लगता, तो गरीब मजदूरों, आंगनवाड़ी बहनों और संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए महीनों और सालों का इंतजार क्यों कराया जाता है। अंत में मिश्रा ने चेतावनी दी कि लोकतंत्र तभी सार्थक होगा, जब सत्ता की सुविधाओं और जनता के वास्तविक सेवकों की मेहनत के मूल्य को समान संवेदनशीलता से देखा जाएगा। सरकार और विधायकों को आत्ममंथन करते हुए आमजन के पक्ष में ठोस निर्णय लेने होंगे।

कोल इंडिया ने आवासों को लीज पर देने से किया इंकार, बैठक में नहीं बनी सहमति

राजनगर। कोल इंडिया की सरप्लस आवास सदुपयोग कमेटी की बैठक दिल्ली में हुई। मीटिंग में शामिल एक यूनियन के सदस्य ने बताया कि बैठक में प्रबंधन ने केंद्र सरकार के नियमों का हवाला देते हुए कोल इंडिया के आवासों को लीज पर देने से इंकार कर दिया। इसके बाद यूनियन प्रतिनिधियों ने रांची के एचइसी व बोकारो स्टील का हवाला दिया। कहा आवास लीज पर देने में दिक्कत है, तो रेंट पर दिया जाये। इससे कंपनी को आर्थिक लाभ भी होगा। इस पर प्रबंधन ने कहा कि इसको लेकर केंद्र सरकार को पत्र लिखा जायेगा। यूनियन प्रतिनिधि इस मुद्दे पर कोयला मंत्री से बात करेंगे। बैठक में कंपनियों के निरीक्षण पर सहमति बनी। टीम इसीएल, सीसीएल, एसइसीएल और डब्ल्यूसीएल का विजिट करेगी। इसकी शुरुआत सात अक्तूबर को इसीएल से होगी। नवंबर महीने तक विजिट का काम पूरा कर लिया जायेगा। बैठक में निदेशक वित्त सीसीएल, निदेशक वित्त इसीएल, निदेशक एचआर बीसीसीएल, कार्यकारी निदेशक एलआर कोल इंडिया तथा यूनियनों की ओर से एचएमएस से शिवकुमार यादव, बीएमएस से राजीव रंजन सिंह, एटक से शत्रुघ्न महतो व सीटू से रंजीत मुखर्जी मौजूद थे।

आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना आवश्यक

आस्था पर भारी अश्लीलता, फूहड़ गीतों पर लगे अंकुश

पवित्र पर्व की मूल भावना को बनाए रखने मे मिलेगी मदद

भक्ति पर्वों को बचाने की मुहिम, नवाचार से मिलेगी नई राह

बुद्धि और विवेक के देवता श्री गणेश की विदाई पर्व, जो श्रद्धा और संस्कृति का प्रतीक होना चाहिए, बदलते परिवेश का शिकार होता दिखाई दे रहा है। विसर्जन जुलूसों में जहाँ पहले पारंपरिक भजन, ढोल-धमाकों की लोकधुन और भक्तिमय वातावरण छाया रहता था, वहीं अब डीजे की कर्कश आवाज़, फूहड़ गीतों और नशे में डूबे युवाओं का नजारा आम हो चला है। यह प्रवृत्ति न केवल धार्मिक आयोजन का स्वरूप बिगाड़ रही है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी गलत दिशा में ले जा रही है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अक्सर ऐसे देखने को मिलता है कि धार्मिक आयोजनों में फूहड़पन वाले गीतों को बजाया जाता है, जिसका समाज में गंदा असर भी पड़ता है, कई लोगों को इससे दिक्कत भी होती है, हालांकि प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं करता। भक्ति पर्वों में फूहड़ गीतों पर अंकुश लगने का अर्थ है कि इन आयोजनों में ऐसे गीतों को वर्जित किया जाता है जो भक्ति और आध्यात्मिकता के माहौल के विपरीत हों और अश्लीलता या अनुचित विषय वस्तु रखते हों। यह नियंत्रण संगीत, नृत्य और गीतों के माध्यम से सात्विक और पवित्र वातावरण बनाए रखने के लिए लगाया जाता है, जहाँ श्रोताओं को दिव्य आध्यात्मिकता और प्रभु से जुड़ने का अनुभव हो। भक्ति पर्वों में फूहड़ गीतों पर अंकुश लगाने के लिए यह ज़रूरी है कि भक्तों को भक्ति संगीत और आध्यात्मिक गीतों के महत्व को समझाया जाए, क्योंकि ये गीत ईश्वर से जुड़ने और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने का एक माध्यम है। इसके अलावा, पारंपरिक भक्ति संगीत जैसे भजन, आरती और संतों के छंदों को बढ़ावा देना चाहिए, जो सात्विक भावों को जागृत करते हैं और आध्यात्मिकता का अनुभव कराते हैं।

ऐसे लग सकता है अंकुश

लोगों को भक्ति गीतों के वास्तविक अर्थ और उद्देश्य के बारे में शिक्षित करना चाहिए, जो ईश्वर के प्रति प्रेम और भक्ति है, न कि केवल मनोरंजन। गीतों में केवल मनोरंजन के बजाय आध्यात्मिक गहराई, भक्ति और सात्विक भावों को महत्व दिया जाना चाहिए। भक्ति संगीत को सामुदायिक भावना को मजबूत करने वाले एक माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, जिससे लोग ईश्वर और एक-दूसरे से जुड़ सकें। धार्मिक संस्थाओं, कलाकारों और समाज के प्रभावशाली व्यक्तियों को ऐसे गीतों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करना चाहिए जो भक्ति की भावना को बढ़ाते हैं। भक्ति पर्वों को फूहड़ गीतों के बजाय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि ये पवित्र पर्व अपनी मूल भावना को बनाए रख सकें।

भक्ति का पवित्र उद्देश्य

भक्ति गीत और संगीत का मुख्य उद्देश्य ईश्वर के प्रति प्रेम और भक्ति को व्यक्त करना है। फूहड़ गीत इस पवित्र उद्देश्य को बाधित करते हैं। भक्तजन और संत-कवि भक्ति गायन का उपयोग लोगों में सात्विक (शुद्ध) भावों का संचार करने के लिए करते हैं। अश्लील गीत इन भावों को नष्ट करते हैं। भक्ति पर्वों में गाये जाने वाले भजन और अन्य गीत श्रोताओं को दिव्य आध्यात्मिकता का अनुभव कराते हैं, जो फूहड़ गीतों से संभव नहीं है। भक्ति संगीत लोगों को ईश्वर से और आपस में जोड़ता है, एक सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है। फूहड़ गीतों से यह जुड़ाव और पवित्रता बाधित होती है। सूफी संगीत और भक्ति संगीत दोनों ही भौतिक संसार से परे जाकर व्यक्ति को ईश्वर से जोड़ने पर केंद्रित हैं। फूहड़ गीतों पर अंकुश लगाकर पारंपरिक मूल्यों और भक्ति के सार को बनाए रखा जाता है।

इन्होने रखी अपनी बात

डिवाइन वैदिक मिशन कोतमा के संस्थापक बलभद्र नाथ ओझा का कहना है "गणेश विसर्जन हमारी संस्कृति और आस्था का उत्सव है। जिस तरह यह पर्व विकृत हो रहा है, वह दुखद है। अब परिवार और समाज को मिलकर बच्चों को सही दिशा दिखानी होगी। पंडित तुलसीदास महाराज, पुजारी श्री सिंह वाहिनी मंदिर, गोविंदा कॉलोनी का कहना है "भक्ति का मार्ग नशे और अश्लीलता से नहीं, बल्कि संयम और श्रद्धा से प्रशस्त होता है। विसर्जन के समय की अव्यवस्थित गतिविधियाँ हमारे धर्म का अपमान हैं। युवाओं को पारंपरिक गीतों और लोकधुनों की ओर लौटना होगा। इसी क्रम में शंकर सेना के जिला अध्यक्ष राजेश सिंह ने धार्मिक आयोजनों पर अपनी बात रखते हुए कहा "यदि समाज फूहड़पन से दूर रहकर भक्ति और मर्यादा के साथ पर्व मनाएगा तो यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी सीख होगी। हनुमान मंदिर भालूमाडा के पुजारी हरि नारायण शास्त्री का कहना है "धर्म का सार सदाचार और भक्ति में है। अश्लीलता और नशा किसी भी स्थिति में धार्मिक आयोजनों का हिस्सा नहीं होना चाहिए। परशुराम बोर्ड के जिला प्रभारी भगवान दास मिश्रा ने कहा कि त्योहार समाज को जोड़ने का अवसर होते हैं, इन्हें भटकाव का शिकार नहीं बनने देना चाहिए।

समितियां तैयार करें अनुशासित व सुसंस्कृत माहौल

समितियों को चाहिए कि वे स्वयं आगे आकर अनुशासित व सुसंस्कृत माहौल तैयार करें। अब जबकि नवरात्रि पर्व समीप है, समाज, समितियों और प्रशासन को विशेष पहल करनी चाहिए। नगर प्रशासन एवं आयोजन समितियाँ आपस में बैठक कर तय करें कि विसर्जन जुलूस मर्यादित एवं सुसंस्कृत वातावरण में ही निकले। साथ ही यह भी प्रस्ताव रखा जाए कि जिन समितियों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा, लोकधुन और सुसंस्कृत झांकियों के साथ विसर्जन जुलूस निकाले जाएंगे, उन्हें प्रशासन की ओर से पुरस्कार एवं सम्मान दिया जाए। इस प्रकार का नवाचार आने वाली पीढ़ी के लिए न केवल एक सकारात्मक संदेश होगा, बल्कि समाज को लंबे समय से घेर रहे इस फूहड़पन से भी मुक्ति दिलाने में सहायक बनेगा। त्योहारों का मूल स्वरूप तभी सुरक्षित रहेगा, जब श्रद्धा और संस्कृति के साथ उत्सव मनाया जाएगा।

पवित्र नगरी अमरकंटक में गूंजेगा क्षमा का संदेश, भक्ति और भव्यता का संगम

पर्यूषण पर्व के समापन अवसर पर दिगंबर जैन समाज का क्षमावाणी पर्व आज

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

माँ नर्मदा के उद्गम स्थल, पावन धरा अमरकंटक में इन दिनों पर्यूषण पर्व की धार्मिक और आध्यात्मिक गूंज सुनाई दे रही है। इस पुण्य पर्व का समापन सोमवार, 8 सितंबर दिन सोमवार को क्षमावाणी पर्व के भव्य आयोजन के साथ होगा। सर्वोदय तीर्थ समिति एवं सकल दिगंबर जैन समाज अमरकंटक के तत्वावधान में यह दिव्य अवसर नगर के लिए आध्यात्मिक उत्सव का रूप लेगा।

मंगल क्रम का आरंभ

प्रातः कालीन बेला में जब मंद पवन और मंदिर की घंटियों की ध्वनि वातावरण को पवित्र करेगी, तब सुबह 8 बजे अभिषेक और 8:30 बजे शांतिधारा के साथ पर्व का श्रीगणेश होगा। इसके उपरांत 9 से 10 बजे सामूहिक पूजन एवं 10 बजे क्षमावाणी सभा का आयोजन होगा, जिसमें समाजजन क्षमा, करुणा और मैत्री भाव का संदेश ग्रहण करेंगे। दिन के मध्या में 10:30 से 12 बजे तक सामूहिक भोजन की व्यवस्था होगी। दोपहर 1 बजे नगर शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें समाजजन भक्ति गीतों,

ध्वज पताकाओं और आध्यात्मिक उल्लास के साथ नगर भ्रमण करेंगे। 3:30 बजे शोभायात्रा का समापन होगा तथा पुनः अभिषेक और शांतिधारा के साथ श्रद्धा का वातावरण गूंजेगा।

सांध्य बेला की आभा

संध्या समय 5 से 6:30 बजे भोजन, तत्पश्चात 7 से 8 बजे संगीतमय आरती से मंदिर प्रांगण आलोकित होगा। रात्री के समय 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम "क्षमावाणी" का आयोजन होगा, जिसमें भजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और प्रवचनों के माध्यम से क्षमावाणी पर्व का महत्व समाज के समक्ष रखा जाएगा। जैन दर्शन कहता है "क्षमावीरस्य भूषण अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। इस दिन समाजजन परस्पर एक-दूसरे से क्षमा याचना करते हुए "मिच्छामि दुक्कड उच्चारित करेंगे। यह पर्व न केवल व्यक्तिगत आत्मशुद्धि का अवसर है बल्कि सामाजिक सौहार्द, आपसी सद्भाव और आध्यात्मिक जागृति का संदेश भी देता है। दिगंबर जैन सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र कमेटी अमरकंटक के व्यवस्थापक लक्ष्मी नारायण जैन ने बताया कि बाहर से आने वाले साधर्मी बंधुओं के लिए भोजन और आवास की विशेष व्यवस्था की है। कमेटी ने नगरवासियों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर इस दिव्य पर्व को सफल बनाएं।

जुलूस और जलसे के साथ मनाया गया ईद मिलादुन्नबी का पर्व

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर।

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में इस्लाम धर्मावलंबियों के लिए सोमवार का दिन खास रहा। हर उम्र के लोग ईद मिलादुन्नबी पर्व को जश्न के रूप में मनाया। राजनगर के वार्ड क्रमांक 6 के मस्जिद से जोड़ा तालाब, भगत सिह चौक, बस स्टैंड, सी सेक्टर होते जुलूस निकाला। जुलूस में शामिल हर कोई हाथों में ध्वज लिए हुए संदेश को वाद किया। शामिल पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। ईदगाह पहुंचकर लोगों ने ईद की नमाज अदा कर अमन चैन की दुआ की। इसके बाद एक-दूसरे के के गले लगाकर खुशियां बांटते रहे। इस दौरान पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के संदेशों को याद किया गया और सामूहिक रूप से अमन-चैन और तरक्की की दुआ की गई। इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का जन्म मक्का में इसी दिन हुआ था। शहर में प्रभात फेरी निकाली, जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया। भगत सिंह चौक पर नगर परिषद बनगवां राजनगर के अध्यक्ष यशवंत सिंह, धनंजय सिंह उपाध्यक्ष, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, धर्मेंद्र सिंह पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष, पार्षदों ने सभी धर्मावलंबियों का फूल माला पहनाकर मिठाई खिलाकर स्वागत किया। और सभी ने अमन और चैन की दुआ मांगी। इस दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से थाना प्रभारी रामनगर सुमित कौशिक तथा उनकी टीम द्वारा इस जुलूस यात्रा के दौरान सभी जगह पर पुलिस तैनात की गई थी।

शासकीय कन्या विद्यालय बस्ती में शिक्षक दिवस संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय कन्या बस्ती अनूपपुर में 5 सितम्बर को देश के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी का जन्मदिवस शिक्षक दिवस के रूप में बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद सुभाष कुमार पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. राधाकृष्णन से जुड़ी प्रेरणादायी कहानियों और प्रसंगों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। संस्था प्रधान अजय कुमार प्रसाद ने अपने संबोधन में बताया कि शिक्षक दिवस मनाने का उद्देश्य महान विद्वान, दार्शनिक, देशभक्त एवं कर्मठ व्यक्तित्व डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों को आत्मसात करना है। उन्होंने कहा कि यदि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें तो निश्चित ही समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान कर सकते हैं।कार्यक्रम के समापन पर शिक्षिका सरिता प्रजापति ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के शिक्षक अजय कुमार प्रसाद, सरिता प्रजापति, शैल शर्मा एवं स्वाति राव सहित सभी गणमान्यजन और गुरुजनों को विद्यालय की छात्राओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

कपिलधारा रोड के जीर्णोद्धार कार्य शुरू, खबर का हुआ असर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के बाद कपिलधारा रोड के जर्जर हिस्से की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। इस मार्ग की खराब स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा लंबे समय से शिकायतें की जा रही थीं। अब कार्य आरंभ होने से कपिलधारा जाने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलने लगी है। स्थानीय प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेकर रोड मरम्मत हेतु आवश्यक कदम उठाए हैं। यह घटना स्पष्ट करती है कि जनसमस्याओं को उजागर करने में मीडिया की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। यह केवल एक खबर नहीं, बल्कि समस्याओं के समाधान की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। कपिलधारा रोड की मरम्मत जल्द ही पूर्ण होने की उम्मीद है। इसके पूरा होने से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि अमरकंटक आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में भी वृद्धि होगी, जिससे क्षेत्र के पर्यटन को सीधा लाभ मिलेगा।

अमरकंटक में संत मंडल की बैठक संपन्न

पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा दीपोत्सव

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

अमरकंटक के श्री गीता स्वाध्याय आश्रम में संत मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के सभी प्रमुख आश्रमों के संतों ने भाग लिया। इस बैठक में आगामी दीपोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी अमरकंटक में दीपोत्सव का पर्व बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

दीपोत्सव के कार्यक्रम

सामूहिक दीप प्रज्वलन': नर्मदा नदी के तट पर और सभी आश्रमों में लाखों दीपक जलाए जाएंगे, जिससे पूरे अमरकंटक में एक अलौकिक दृश्य उत्पन्न होगा। भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रम': विभिन्न आश्रमों और मंदिरों में भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रवचन और सत्संग': संत-महात्माओं द्वारा दीपोत्सव के महत्व और आध्यात्मिक संदेशों पर प्रवचन दिए जाएंगे। प्रसाद वितरण': दीपोत्सव के दौरान प्रसाद वितरित किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद मिलेगा।

दीपोत्सव का उद्देश्य

दीपोत्सव का उद्देश्य सिर्फ पर्व मनाना नहीं, बल्कि समाज में आध्यात्मिक चेतना और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। अमरकंटक संत मंडल ने सभी श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया है।

आयोजन की तैयारी

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी आश्रमों और स्थानीय प्रशासन का सहयोग लिया जा रहा है। दीपोत्सव के दौरान सुरक्षा और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि श्रद्धालु आध्यात्मिक आनंद के साथ-साथ एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण का भी अनुभव कर सकें। यह रहे उपस्थित - स्वामी नर्मदानंद महाराज श्री गीता स्वाध्याय आश्रम स्वामी लवलीन महाराज धारकुंडी आश्रम स्वामी नर्मदानंद महाराज शंकराचार्य आश्रम अमरकंटक स्वामी बरखा पुरी महाराज कैलाश पुरी आश्रम राम नरेश शास्त्री मार्कंडेय आश्रम गणेश पाण्डेय श्रीयंत्र आश्रम ओमप्रकाश अग्रवाल बाल्मीकि जैसवाल दिनेश साहू शिव खैरवार श्रवण उपाध्याय उमाशंकर पाण्डेय मुन्नू एवं अमरकंटक के सभी संत महात्मा उपस्थित रहे। दीपोत्सव अमरकंटक की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है और इसे सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। इस पावन पर्व में भाग लेकर श्रद्धालु आध्यात्मिक चेतना और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने में अपना योगदान दे सकते हैं।